[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 3338 **E**

Unique Paper Code : 62277603

Name of the Paper : Economic Development and Policy in India- II

Name of the Course : **CBCS B.A. (Prog.), DSE**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. This paper consists of **8 questions.**

3. Answer **any 5** questions

4. **All questions** carry equal marks

5. Answers may be written either in English or in Hindi, but the same medium should be used throughout the paper

P.T.O.

3338

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. इस पत्र में 8 प्रश्न हैं।
3. किसी भी 5 सवालों के जवाब दें।
4. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
5. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. What do you understand by macroeconomic stability? How has India fared in recent past in context of the variables that count towards macroeconomic stability?

व्यापक आर्थिक (मैक्रोइकोनॉमिक) स्थिरता से आप क्या समझते हैं ? व्यापक आर्थिक स्थिरता के लिए शामिल किए गए चर के संदर्भ में भारत ने हाल के वर्षों में कैसा प्रदर्शन किया है ?

2. Provide an estimate and analysis of farm incomes in India over the three decades from 1983-84 to 2011-12.

1983-84 से 2011-12 तक तीन दशकों में भारत में कृषि आय का प्रवृत्ति और विश्लेषण प्रदान करें।

3. Why was it necessary for the Indian economy to adopt land reform measures at the time of independence? What were its main features and why could they not achieve their desired results?

स्वतंत्रता के समय भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए भूमि सुधार उपायों को अपनाना क्यों आवश्यक था ? इसकी मुख्य विशेषताएं क्यां थीं और वे अपने वांछित परिणाम क्यों प्राप्त नही कर सके ?

4. How do government policies play an important role in determining the quality and the developmental impact of Foreign Direct Investments (FDI)? Discuss the Government of India's policy and the trends in FDI flows in post-1991 liberalised Indian economy.

प्रत्यक्ष विदेश निवेश (एफ.डी.आई.) की गुणवत्ता और विकासात्सक प्रभाव को निर्धारित करने में सरकार की नीतियां कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है ? 1991 के बाद की उदारीकृत भारतीय अर्थव्यवस्था में भारत सरकार की नीति और एफ.डी.आई. प्रवाह की प्रवृत्तियों पर चर्चा करें।

5. Do you agree with the view that liberal economic reforms or the market-friendly policy framework constructed over the last quarter century in India has not served the Indian manufacturing sector well, despite faster economic growth and output diversification? Discuss.

क्या आप इस दृष्टिकोण से सहमत हैं कि उदार आर्थिक सुधार या भारत में पिछली तिमाही शताब्दी में निर्मित बाजार-अनुकूल नीति ढांचे ने, तेजी से आर्थिक विकास और उत्पादन विविधीकरण के बावजूद, भारतीय निर्माण क्षेत्र के लिए अच्छा काम नहीं किया है ? चर्चा करें।

6. "In the context of the post-covid Indian economy, abandoning export orientation strategy will amount to killing the only goose laying eggs." Do you agree with this view? Discuss.

''कोविड के बाद की भारतीय अर्थव्यवस्था के संदर्भ में, निर्यात उन्मुख नीति को छोड़ना अंडे देने वाली एकमात्र मुर्गी को मारने जैसा होगा।'' क्या आप इस विचार से सहमत हैं ? चर्चा करें।

7. Discuss the status of liberalisation in services in India and the political economy challenges that have plagued this process. Also highlight India's international engagements in services in the context of multilateral and preferential trade negotiations.

भारत में सेवा क्षेत्र में उदारीकरण की स्थिति और इस प्रक्रिया को प्रभावित करने वाली राजनीतिक अर्थव्यवस्था की चुनौतियों पर चर्चा करें। बहुपक्षीय और तरजीही व्यापार वार्ताताओं के संदर्भ में सेवा क्षेत्र में भारत की अंतर्राष्ट्रीय व्यस्तताओं पर भी प्रकाश डालें।

8. Write shorts notes on any two of the following:

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:

(a) Challenges faced by clothes and shoes industry in India

भारत में कपड़े और जूते उद्योग के सामने आने वाली चुनौतियाँ

(b) Impact of covid-19 pandemic on India's service sector

भारत के सेवा क्षेत्र पर कोविड-19 महामारी का प्रभाव

(c) Irrigation policy of the government of India

भारत सरकार की सिंचाई नीति

(d) Response of Indian monetary policy framework to changing macroeconomic conditions in recent years

हाल के वर्षों में बदलती व्यापक आर्थिक स्थितियों के लिए भारतीय मौद्रिक नीति ढांचे की प्रतिक्रिया

(7.5×2)